राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

राष्ट्रपति ने बिहार विधान सभा परिसर में शताब्दी स्मृति स्तंभ का शिलान्यास तथा पवित्र बोधि वृक्ष के शिशु पौधा का रोपण किया

- **उन्होंने ''सदन में विमर्श ही संसदीय प्रणाली का मूल है'' विषय पर व्याख्यान भी दिया**

पटना, 21 अक्टूबर 2021

भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द ने बिहार विधान सभा भवन शताब्दी समारोह के अवसर पर बिहार विधान सभा परिसर में शताब्दी स्मृति स्तंभ का शिलान्यास तथा पवित्र बोधि वृक्ष के शिशु पौधा का रोपण किया। उन्होंने ''सदन में विमर्श ही संसदीय प्रणाली का मूल है'' विषय पर व्याख्यान दिया तथा बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा के सामाजिक संकल्प अभियान का शुभारंभ भी किया।

समारोह को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने कहा कि बिहार विधान सभा ने लोकतंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है तथा अपनी लम्बी यात्रा में इसने लोकतांत्रिक सिद्धांतों, परम्पराओं एवं मर्यादाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। इसने जनाकांक्षाओं को मुखर अभिव्यक्ति देने के साथ–साथ उनकी पूर्ति के लिए सार्थक प्रयत्न भी किया है। इसकी विभिन्न गतिविधियों और इसके द्वारा निर्मित कानूनों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों को गति मिली है, प्रशासनिक संरचना सुदृढ़ हुई है तथा अनेक प्रकार की सामाजिक बुराईयों को रोकने के प्रयास किये गये। बिहार विधान सभा ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के वाहक के रूप में उत्कृष्ट और प्रभावशाली भूमिका निभायी है।

राज्यपाल ने कहा कि 22 मार्च, 1912 को बंगाल प्रेसीडेन्सी से अलग करके बिहार एवं उड़ीसा को मिलाकर एक पृथक राज्य की स्थापना की गई जिसका मुख्यालय पटना निर्धारित किया गया। इस राज्य के अस्तित्व में आने पर इसके विधायी कार्य के संचालन हेतु गठित विधायी परिषद् एवं इसके सचिवालय के लिए एक नये भवन का निर्माण कराया गया, जो वर्तमान में बिहार विधान सभा का मुख्य भवन है।

भारत में प्रतिनिधिमूलक राज व्यवस्था की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वैशाली लोकतंत्र की जननी है, जहाँ बज्जी संघ के नेतृत्व में प्रथम गणराज्य की स्थापना हुई थी। प्राचीन काल में लिच्छवी, कपिलवस्तु, कुशीनारा, रामग्राम, पिफली, सुपुता, मिथिला, कोलांगा आदि गणराज्यों में प्रतिनिधिमूलक राज व्यवस्था थी जिसका संचालन सभा, समितियों और गणपति के माध्यम से हुआ करता था। इन गणराज्यों का अस्तित्व ईसा पूर्व छठी सदी से देश के विभिन्न हिस्सों में 400 ईस्वी तक कायम रहा। उन्होंने कहा कि मध्यकाल के दौरान राज–काज की वह व्यवस्था तो समाप्त हो गई किन्तु ग्राम सभा और पंचायतों का अस्तित्व बना रहा। इस प्रकार, प्रतिनिधि वाली शासन व्यवस्था से हमारा पुराना परिचय रहा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने लम्बी बहस के बाद भारत के लिए संसदीय प्रणाली को अंगीकार किया था जो प्रकारांतर से गणराज्यों की प्रतिनिधिमूलक राज व्यवस्था की ही अभिव्यक्ति है।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि सदन का मुख्य कार्य कानून बनाना, जनोपयोगी मुद्दों पर बहस एवं चर्चा करना तथा नीतियों पर निर्णय लेना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ लोगों की इच्छाएँ और जरूरतें गंभीर विचार–विमर्श तथा बहस के माध्यम से सामने आ पाती हैं। किन्तु हाल के दिनों में बैठकों की घटती संख्या, बढ़ते व्यवधानों, सदन के बार–बार स्थगित होने एवं बहस के गिरते स्तर आदि के कारण चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई है। आमजन के मुद्दों पर चर्चा के लिए निर्धारित समय हो–हल्ले और हंगामे की भेंट चढ़ जाता है तथा बिना किसी सार्थक बहस के विधेयक पारित हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि आज आमजन की आकांक्षाएँ बढ़ गई हैं। अतः आवश्यक है कि विधायी फैसला लेने में सदस्यों की अधिकाधिक भागीदारी हो तथा तर्कपूर्ण बहस एवं गंभीर विचार–विमर्श के जरिये कानून बनाया जाय।

राज्यपाल ने कहा कि सरकार और विपक्ष एक–दूसरे से भिन्न नहीं हैं। दोनों ही पक्षों के सदस्य जनता के चुने हुए प्रतिनिधि होते हैं तथा उनका उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान एवं उनकी भलाई करना तथा देश एवं राज्य को विकसित करना है। इसलिए सत्तापक्ष और विपक्ष –दोनों को ही अपने संकीर्ण हितों से ऊपर उठकर सदन में बहस और विमर्श को सार्थक एवं प्रभावशाली बनाने हेतु गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए ताकि हमारे देश का संसदीय लोकतंत्र अक्षुण्ण रहे तथा अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल हो सके।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने बिहार विधान सभा शताब्दी वर्ष समारोह के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन कर उसकी पहली प्रति महामहिम राष्ट्रपति को प्रदान किया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वागत भाषण बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विजय कुमार सिन्हा तथा धन्यवाद ज्ञापन बिहार विधान परिषद् के कार्यकारी सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह ने किया।

इस अवसर पर माननीय उप मुख्यमंत्री श्री तारकिशोर प्रसाद एवं श्रीमती रेणु देवी, माननीय मंत्रिगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधान पार्षदगण एवं विधायकगण, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधान पार्षदगण एवं पूर्व विधायकगण, वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....